



भारत का राजपत्र The Gazette of India

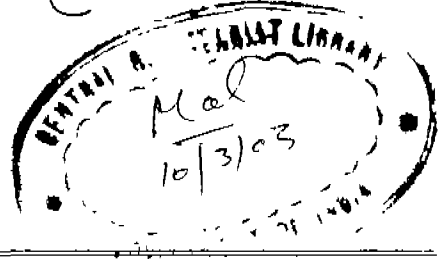
असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 247]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 21, 2002/भाद्र 30, 1924

No. 247]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 2002/BHADRA 30, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 2002

विषय:- चीन जनवादी गणराज्य, पोलैण्ड, रूस तथा रोमानिया के मूल से अथवा वहाँ से निर्यातित बॉल बियरिंग तथा उसके भाग और घटकों 50 मि.मि.बोर डायामेटर तक के भारत में आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरु करना ।

सं. 14/30/2002-डीजीएबी.— बॉल और रोलर बियरिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशनऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने अपने सदस्यों नामतः मै. फौग बियरिंग इंडिया लि. वडोदरा, मै. एनआरबी बियरिंग्स लि. मुंबई, मै. एसकेएफ बियरिंग्स इंडिया लि. मुंबई, मै. नेशनल इंजीनियरिंग्स इंडस्ट्रीज़ लि. जयपुर, मै. टाटा ऑयर्स एण्ड स्टील कंपनी लि. बियरिंग डिपार्टमेंट खड़गपुर के माध्यम से

2. विचाराधीन उत्पाद में माउंट किये हुए अथवा बिना माउंट किये हुए बॉल बियरिंग और इसके हिस्से शामिल हैं जो घर्षणरोधक बियरिंग के रूप में काम करते हैं और उनमें रोलिंग एलिमेंट के तौर पर गोलियों का प्रयोग होता है और जहाँ तक यह आयात बॉल बियरिंग के आयातों का हिस्सा है । “एन्टी फ्रिक्शन गोलियाँ, अंदरूनी और बाहरी छल्ले और बॉल बियरिंग के घटक विचाराधीन वस्तु के दायरे में आते हैं । एन्टी फ्रिक्शन बियरिंग्स के नाम से ज्ञात वस्तु के बड़े वर्ग का एक भाग बॉल बियरिंग्स है । “एन्टी फ्रिक्शन बियरिंग” मशीन का वह भाग होते हैं जो चल भागों को पकड़ कर अलग करके या दिशा देकर चल और अचल भागों के बीच सुगम गति प्रदान करते हैं ताकि घर्षण तथा टूट-फूट कम हो । बॉल बियरिंग अधिकतर पंखों, बिजली की मोटरों, ऑटोमोटिवों, पंपों और घरेलू तथा औद्योगिक उपकरणों में लगते हैं । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय - 84 के उपशीर्ष 8482.10, 8482.80, 8482.91 के अधीन वर्गीकृत है । यह उत्पाद आईटीसी एचएस कोड के अंतर्गत शीर्ष 8482.1001, 8482.1004 और 8482.1011 में भी वर्गीकृत हैं ! किन्तु सीमाशुल्क और आईटीसी एचएस के ये वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और किसी भी प्रकार इस जांच के कार्यक्षेत्र में बाध्यकारी नहीं हैं ।

3. घरेलू उद्योग

यह याचिका मै. फ़ैग बियरिंग इंडिया लि. वडोदरा, मै. एनआरबी बियरिंग्स लि. मुंबई, मै. एसकेएफ बियरिंग्स इंडिया लि. मुंबई, मै. नेशनल इंजीनियरिंग्स इंडस्ट्रीज़ लि. जयपुर, मै. टाटा ऑयर्स एण्ड स्टील कंपनी लि. (बियरिंग डिवीजन) खड़गपुर ने याचिका दायर की है। याचिका कर्ताओं का संबंध वस्तु का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का 50 प्र.श. हिस्सा है अतः वह उपरोक्त नियमों के नियम 53 के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में होने के मानदण्डों को पूरा करते हैं।

शामिल देश

4. इस जांच में शामिल देश जनवादी गणराज्य चीन, पोलैण्ड, रोमानिया और रूस (जिन्हें इसके बाद इसमें संबंधित देश कहा गया है) हैं।

5. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं और संबंधित देशों से निर्यातित वस्तुओं में कोई अन्तर नहीं है। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को उपरोक्त नियमों के अर्थ के भीतर संबंधित देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

6. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने चीन और रूस को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानते हुए उत्पाद की परिकलित लागत के आधार पर संबंधित वस्तुओं के निर्यात के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी का यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा-7 और 8 के अनुसार याचिकाकर्ता के दावे की जांच करने का प्रस्ताव है। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्पाद की परिकलित लागत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य और रूस में संबंधित वस्तुओं का सामान्य मूल्य माना है। रोमानिया और पोलैण्ड के संदर्भ में इन देशों से संबंधित वस्तुओं के घरेलू बिक्री मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया गया है।

7. निर्यात मूल्य

याचिकाकर्ता ने गौण स्रोतों से एकत्र किये गये आयात आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर संबंधित देश से निर्यात मूल्य का निर्धारण किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत परिगणित करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यात के देश में अन्तर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों को समायोजित करने का दावा किया गया है।

8. पाटन मार्जिन

इस बात के पर्याप्त साक्ष्य है कि संबंधित देश में संबंधित वस्तु का सामान्य मूल्य निर्यात मूल्य से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टि में ऐसा मालूम होता है कि संबंधित देशों के निर्यातकों द्वारा संबंधित वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

9. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

यचिकाकर्ताओं ने क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों के आधार पर जानकारी उपलब्ध करायी है। जैसे आयात की मात्रा में वृद्धि, बाजार भाग में कमी, मूल्य कम करना, कम मूल्य पर बिक्री, निवेश पर कम लाभ प्राप्ति, संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने में लाभ का घटना और क्षति संबंधी विभिन्न मापदण्डों से सामुहिक और संचयी रूप से प्रथम दृष्टया यह मालूम होता है कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

10. पाटनरोधी जांच की शुरुआत

उपर्युक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और उसके प्रभाव की जांच शुरू करते हैं।

11. जांच की अवधि

वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक है।

12. सूचनाएं प्रस्तुत करना

इस जांच से संबंधित ज्ञात संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत में आयातकों को निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संबंधित सूचना प्रस्तुत करने के लिए और अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराने के लिए अलग-अलग पत्र लिखे जा रहे हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर जांच से संबंधित अपने निवेदन भेज सकता है।

13. समय सीमा

वर्तमान जांच संबंधी कोई जानकारी लिखित रूप में इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर पहुंच जाए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से पत्र लिखे जा रहे हैं उनके लिए उनको लिखे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करना आवश्यक है।

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने से मना करता है या उचित समयावधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में पर्याप्त बाधा डालता है तो प्राधिकारी, अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st September, 2002

Subject: Initiation of Anti-dumping investigation concerning import of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) from China PR, Poland, Russia and Romania.

No.14/30/2002-DGAD - Ball and Roller Bearing Manufacturers Association of India, New Delhi through its members viz., M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur have filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) originating in or exported from China PR, Poland, Russia and Romania and requested for Anti Dumping investigations and levy of anti dumping duties.

PRODUCT INVOLVED

2. The product involved in the present petition is Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) (hereinafter referred to as subject goods). Product under consideration includes Ball Bearings and its parts, whether mounted or unmounted, as anti friction bearings that employ balls as rolling element, so long as these imports in effect constitute imports of ball bearings. Anti friction balls, inner and outer races and components of ball bearings are within the scope of the product under consideration. Ball bearings are a part of a larger category of goods known as 'anti friction bearings'. Anti friction bearings are machine components that permit free motion between moving and fixed parts by holding, separating or guiding the moving parts to minimize friction and wear and tear. Major users of ball bearings are in the Fan, Electric Motor, Automotives, Pumps, Domestic Appliances and Industrial Appliances segments. The product is classified under Chapter 84 of the Customs Tariff Act under sub-heading 8482.10, 8482.80, 8482.91. The product is classified under ITC HS code under heading 8482.1001, 8482.1004 and 8482.1011. The Customs and ITC HS classifications are however, indicative only are in no way binding on the scope of the present investigation.

DOMESTIC INDUSTRY

3. The petition has been filed by M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur. The petitioners account for more than 50% of the domestic

production of subject goods and therefore, the petitioners satisfy the criteria of standing as domestic industry to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra.

COUNTRIES INVOLVED

4. The countries involved in the present investigation are Peoples' Republic of China, Poland, Romania and Russia (hereinafter referred to as the subject countries).

LIKE ARTICLE

5. The petitioners have claimed that there is no difference between the products manufactured by them and the subject goods being imported from subject countries. Therefore, for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioners are being treated as 'like articles' to that imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

NORMAL VALUE

6. The petitioners have claimed Normal Value in respect of exports of subject goods from China and Russia on the basis of constructed cost of production treating China and Russia as Non-market economies. The Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of para 7 and 8 of Annexure 1 of the Anti Dumping Rules as amended. The Authority has prima facie considered the Normal value of subject goods in PR China and Russia on the basis of constructed cost of production as made available by the petitioner. In respect of Romania and Poland the normal value has been claimed on the basis of domestic sales price of subject goods in these countries.

EXPORT PRICE

7. The petitioners have determined export price for subject countries on the basis of analysis of import figures collected from secondary sources. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the country of export, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level.

DUMPING MARGIN

8. There is sufficient evidence that Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

INJURY AND CAUSAL LINK

9. Petitioners have furnished information on various parameters relating to injury. Parameters such as increase in volume of imports, loss in market share, price under-cutting, price under-selling, low return on investments, decreased profits in the manufacturing of subject goods prima-facie indicate collectively and cumulatively that the Domestic Industry has suffered material injury on account of dumping.

2758 E11/02-2

INITIATION OF ANTI-DUMPING INVESTIGATIONS

10. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st January 2001 – 31st March 2002.

SUBMISSION OF INFORMATION

12. The exporters in the subject country and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

TIME LIMIT

13. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

14. In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L V SAPTHARISHI, Designated Authority